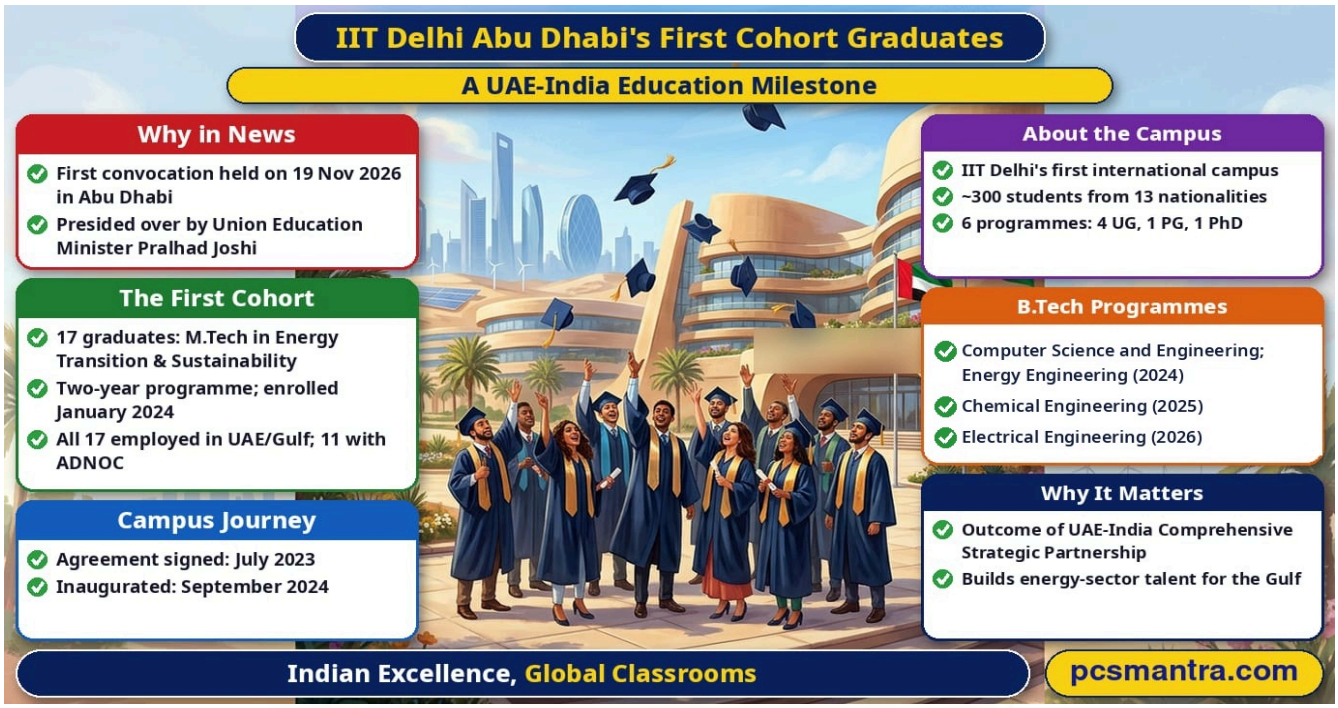
IIT दिल्ली अबू धाबी की पहली कक्षा निकली: शिक्षा से बनी भारत-UAE साझेदारी

प्रकाशन: 26 नवंबर 2026



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

समाचार-संदर्भ: IIT दिल्ली अबू धाबी का पहला दीक्षांत समारोह, अबू धाबी, 20 नवंबर 2026

खबरों में क्यों

IIT दिल्ली अबू धाबी ने अपने पहले दीक्षांत समारोह में एम.टेक (ऊर्जा संक्रमण और स्थिरता) की पहली कक्षा के स्नातकों का सम्मान किया। अबू धाबी मीडिया ऑफिस के अनुसार पहले बैच में 17 स्नातक हैं, जिनमें 11 ADNOC के कर्मचारी हैं। सभी UAE और खाड़ी क्षेत्र में ऊर्जा, स्थिरता और इंजीनियरिंग में कार्यरत हैं।[1]

समारोह में भारत के केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी और UAE में भारत के राजदूत डॉ. दीपक मित्तल भी उपस्थित थे।[1]

संस्थान की पृष्ठभूमि

समझौता: जुलाई 2023 में हुए समझौते के तहत स्थापित। समझौते पर UAE के राष्ट्रपति शेख़ मोहम्मद बिन ज़ायद अल नाहयान और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में हस्ताक्षर हुए।[1]

उद्घाटन: अबू धाबी परिसर का उद्घाटन सितंबर 2024 में अबू धाबी के क्राउन प्रिंस और कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष शेख़ खालिद बिन मोहम्मद बिन ज़ायद अल नाहयान ने किया।[1]

पहला अंतर्राष्ट्रीय परिसर: विज्ञप्ति के अनुसार यह IIT दिल्ली का पहला अंतर्राष्ट्रीय परिसर है। शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने इसे "भारत के सर्वोच्च रैंक वाले विश्वविद्यालय का पहला अंतर्राष्ट्रीय परिसर" कहा। यह मंत्री का कथन है।[1]

मुख्य तथ्य

पहला बैच: 17 स्नातक, एम.टेक (ऊर्जा संक्रमण और स्थिरता), सभी नौकरी में; 11 ADNOC कर्मचारी। विज्ञप्ति का शीर्षक 100 प्रतिशत स्नातक रोज़गार की बात करता है।[1]

शैक्षणिक क्षेत्र: ऊर्जा और स्थिरता, कंप्यूटर विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रासायनिक इंजीनियरिंग और विद्युत इंजीनियरिंग।[1]

विस्तार: लगभग 300 विद्यार्थी, 13 राष्ट्रीयताएँ, छह शैक्षणिक कार्यक्रम (चार स्नातक, एक स्नातकोत्तर और एक डॉक्टरेट)।[1]

पूर्व-छात्र नेटवर्क: स्नातक IIT दिल्ली के 65,000 से अधिक पूर्व-छात्रों के वैश्विक नेटवर्क से जुड़ते हैं।[1]

उद्योग-साझेदारी: पाठ्यक्रम राष्ट्रीय उद्योग-अग्रणियों के साथ मिलकर बनाया गया है; ADNOC जैसे साझेदारों के साथ सहयोग का उल्लेख है।[1]

परीक्षा की दृष्टि से विश्लेषण

शिक्षा-कूटनीति: विदेश में भारतीय संस्थान के परिसर से भारत की शैक्षणिक साख और दोनों देशों के बीच ज्ञान-आदान-प्रदान बढ़ता है। यह निष्कर्ष स्रोत के तथ्यों पर आधारित विश्लेषण है।

- **अवसर:** ऊर्जा संक्रमण जैसे क्षेत्र में उद्योग के साथ जुड़ा पाठ्यक्रम और रोज़गार।
- **प्रश्न:** यह पहला ही बैच है; दीर्घकालिक गुणवत्ता, शोध-परिणाम और विस्तार को आगे देखना होगा।
- **सावधानी:** "पहला अंतर्राष्ट्रीय परिसर" IIT दिल्ली के लिए कहा गया है, सभी IIT के लिए नहीं। दूसरे IIT के विदेशी परिसरों से इसे न मिलाएँ।

मुख्य परीक्षा: अभ्यास प्रश्न

प्रश्न: "विदेश में भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों के परिसर शिक्षा-कूटनीति का उभरता माध्यम हैं।" IIT दिल्ली अबू धाबी के संदर्भ में इस कथन का विश्लेषण कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए) | 10 अंक

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: IIT दिल्ली अबू धाबी ने जुलाई 2023 के समझौते और सितंबर 2024 के उद्घाटन के बाद पहला बैच निकाला। 17 स्नातकों में 11 ADNOC कर्मचारी हैं।

मुख्य भाग में:

- **साझेदारी:** भारत-UAE शैक्षणिक सहयोग; उद्योग के साथ मिलकर बना ऊर्जा संक्रमण पाठ्यक्रम।
- **लाभ:** भारतीय शैक्षणिक साख का विस्तार; रोज़गार-उन्मुख प्रशिक्षण; शोध और उद्योग सहयोग; पूर्व-छात्र नेटवर्क।
- **सीमाएँ:** पहला ही बैच, इसलिए दीर्घकालिक गुणवत्ता और विस्तार का आकलन बाकी; सीमित विद्यार्थी-संख्या।

निष्कर्ष में: पहला बैच आशाजनक शुरुआत है, पर शिक्षा-कूटनीति की सफलता गुणवत्ता, शोध और टिकाऊ उद्योग-साझेदारी पर निर्भर करेगी।

प्रिलिम्स परीक्षा: अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1: IIT दिल्ली अबू धाबी के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह IIT दिल्ली का पहला अंतर्राष्ट्रीय परिसर है।

2. इसके पहले बैच में 17 स्नातक हैं, जिनमें 11 ADNOC के कर्मचारी हैं।

3. पहला स्नातक बैच बी.टेक कार्यक्रम का था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 3

(b) केवल 1 और 3

(c) 1, 2 और 3

(d) केवल 1 और 2

▼ उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (d)

- कथन 1 सही है: विज्ञप्ति इसे IIT दिल्ली का पहला अंतर्राष्ट्रीय परिसर बताती है।
- कथन 2 सही है: पहले बैच में 17 स्नातक हैं, जिनमें 11 ADNOC कर्मचारी हैं।
- कथन 3 गलत है: पहला बैच एम.टेक (ऊर्जा संक्रमण और स्थिरता) का है।

पाठ्यक्रम मानचित्रण:
मुख्य परीक्षा: GS-2 (भारत और खाड़ी देशों के संबंध; शिक्षा); GS-3 (ऊर्जा संक्रमण)
प्रिलिम्स: समसामयिक घटनाक्रम; अंतर्राष्ट्रीय संबंध; शिक्षा

स्रोत

1. अबू धाबी मीडिया ऑफिस: IIT दिल्ली अबू धाबी ने पहले स्नातक बैच का दीक्षांत समारोह मनाया (20 नवंबर 2026)

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

संक्षिप्त उत्तर: IIT दिल्ली अबू धाबी के पहले बैच में 17 स्नातक हैं, जिनमें 11 ADNOC के कर्मचारी हैं। यह एम.टेक (ऊर्जा संक्रमण और स्थिरता) का बैच है।

प्रश्न: IIT दिल्ली अबू धाबी की स्थापना कब हुई?

जुलाई 2023 के समझौते के तहत; परिसर का उद्घाटन सितंबर 2024 में हुआ।

प्रश्न: पहले बैच में कितने स्नातक हैं?

17, जिनमें 11 ADNOC के कर्मचारी हैं। सभी खाड़ी क्षेत्र में कार्यरत हैं।

प्रश्न: वहाँ कितने विद्यार्थी और कार्यक्रम हैं?

लगभग 300 विद्यार्थी, 13 राष्ट्रीयताएँ और छह कार्यक्रम (चार स्नातक, एक स्नातकोत्तर, एक डॉक्टरेट)।